भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. प्रथम प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी साहित्य का इतिहास	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	**केंद्रिक पाठ्यक्रम**	
4	पूर्वापेक्षा	**स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।**	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. विद्यार्थी हिंदी के प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों उनके काव्य से परिचित हो सकेंगे। 2. आदिकालीन काव्य अपभ्रंश के अवदान को समेटे हैं। मध्यकालीन काव्य लोकमंगल के स्वर साधता है। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है। विद्यार्थी इन सभी से परिचित हो पाएंगे। 3. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास से परिचित हो सकेंगे और भाषा के विकास को समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	**05**	
7	कुल अंक	**अधिकतम अंक: 60+40**	**न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40**

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+ गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं.= 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य: अंत:संबंध एवं प्रभाव साहित्य के इतिहास लेखन एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा:प्रमुख हिंदी इतिहासकार एवं इतिहास ग्रंथ हिंदी साहित्य: इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण **गतिविधि – शोध आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	हिंदी साहित्य का आदिकाल : पृष्ठभूमि, समय सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि कवि और काव्य एवं उपलब्धियाँ **गतिविधि – प्रवाह तालिका, रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	भक्तिकाल : पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, समयावधि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रमुख कवि और उनका साहित्य एवं उपलब्धियाँ **गतिविधि – प्रवाह तालिका/रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	रीतिकाल : परिस्थितियाँ, कालनिर्धारण व नामकरण, प्रमुख काव्यधारा एवं प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि-कृतियाँ, रीतिकालीन काव्य प्रदेय **गतिविधि – समूह चर्चा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	आधुनिक काल : पृष्ठभूमि, कालनिर्धारण, स्वतंत्रता पूर्व काव्यधाराएँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार, स्वातंत्र्योत्तर काव्य प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधि कवि गद्य साहित्य का उद्भव और विकास तथा विविध गद्य विधाएँ **गतिविधि –विचार गोष्ठी , प्रश्न मंच**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): हिंदी साहित्य का इतिहास, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1 . हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, नई दिल्ली, हरिद्वार

2. हिंदी साहित्य का इतिहास सं. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, मयूर बुक्स, नई दिल्ली

3. साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा, अनन्य प्रकाशन

4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन

5. मध्यकालीन बोध का स्वरूप -- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन

6. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन

7. हिंदी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ प्रसाद द्विवेदी ,वाणी प्रकाशन

8. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन

10. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास -बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल

11. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैक स्वान

12. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

13. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 **विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60**

आंतरिक मूल्यांकन :	**क्लास टेस्ट**	**20**
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	**असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20 = 40**

आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. द्वितीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1.विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य से परिचित होंगे और भाषा के विकास को समझ पाएंगे। 2.विद्यापति, कबीर एवं जायसी की रचनाओं का अध्ययन करके जीवन के साथ उनके साम्य स्थापित कर पाएंगे। 3.निर्गुण धारा से सगुण धारा तक के साहित्य का अध्ययन करके तुलसी आदि के साहित्य की आज के समय में प्रासंगिकता को समझ पाएंगे। 4.मध्यकालीन काव्य से उत्तर मध्यकाल तक आने में भाषा में आये परिवर्तन को समझ पाएंगे।
6	क्रेडिट मान	05
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40 न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राचीन व मध्यकालीन काव्य की पृष्ठभूमि साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) एवं काव्यधाराएँ **गतिविधि – प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	चंदवरदाई –पृथ्वीराजरासो (शशिव्रता विवाह प्रसंग) विद्यापति- पदावली (प्रारंभिक दस पद) सं. शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) **गतिविधि – प्रवाह तालिका, रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा कबीर की साखी गुरुदेव को अंग (प्रारंभिक दस साखी), बिरह को अंग (प्रारंभिक दस साखी)- कबीर ग्रंथावली सं. डॉ. श्याम सुंदर दास	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

	जायसी ग्रंथावली – नागमती वियोगखंड (बारहमासा) सं. रामचंद्र शुक्ल (व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) **गतिविधि – समूह चर्चा, दोहा पाठ**	
चतुर्थ	भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकालीन सगुण काव्यधारा तुलसीदास –विनय पत्रिका, गीताप्रेस गोरखपुर, पद संख्या (41, 45, 79 , 87, 88, 90, 100, 105, 112,115) सूरदास - भ्रमर गीत सार (बाल वर्णन-पद संख्या 113, 126, 132, 138, 150) (भ्रमर गीत-पद संख्या 219, 226, 227, 231, 254, 306)- सं. रामचंद्र शुक्ल (व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) **गतिविधि – शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	रीतिकालीन काव्यधारा घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (कवित्त संख्या – 1, 2, 3, 7, 8, 9, 11, 12, 14, 15) बिहारी सत्सई, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (दोहा संख्या – 5, 8, 11 ,21, 29, 33, 34, 37, 41, 43, 55, 66, 72, 75, 78) भूषण- छत्रसाल दशक (पराक्रम वर्णन, रण वर्णन, तलवार वर्णन, तोपखाना वर्णन , प्रताप वर्णन, दान वर्णन) - भूषण ग्रंथावली- सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) **गतिविधि – आलेख लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य, पृथ्वीराजरासो, भक्तिकालीन काव्यधारा

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. आदिकालीन हिंदी साहित्य – अध्ययन दिशाएँ : अनिल राय, वाणी प्रकाशन
2. अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा- नामवर सिंह, सरस्वती प्रेस, बनारस
4. विद्यापति-डॉ. शिव प्रसाद सिहं, लोकभारती प्रकाशन
5. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी – बिहार राष्ट्रभाषा परिसर
6. गोस्वामी तुलसीदास: रामचंद्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान
7. तुलसी आधुनिक वातायन से: रमेश कुंतल मेघ -राधाकृष्ण प्रकाशन
8. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन
9. तुलसी काव्य-मीमांसा : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
10. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल,नई किताब प्रकाशन

मंजु तिवारी

11. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
12. महाकवि सूरदास . नंद दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
13. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, लोक भारती प्रकाशन
14. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
15. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
16. कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
17. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, इलाहाबाद
18 त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन
19. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तान एकेदमी, इलाहाबाद
20. भूषण ग्रंथावली, मिश्रबंधु, ना०प्र०सभा
21. भूषण-ग्रंथावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
22. छत्रसाल दशक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, वाराणसी
23. भूषण और उनका साहित्य, राजमल बोरा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
24. भूषण-विमर्श, भगीरथी प्रसाद दीक्षित, सरस्वती प्र० सं०, इलाहाबाद
25. महाकवि भूषण, भगीरथी प्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन, इलाहाबाद
26. बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश, राजपाल एंड संस प्रकाशन
27. बिहारी : ओमप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन
28. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी
29. घनानंद काव्य और आलोचना : किशोरी लाल, इलाहाबाद, साहित्य भवन
30. घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजना : मनोहर लाल गौड़, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
31. घनानंद : लल्लन राय,साहित्य अकादमी नई दिल्ली
32. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
33. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

Archive/Digital library

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 **विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60**

आंतरिक मूल्यांकन :	**क्लास टेस्ट**	**20**
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	**असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20= 40**

आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

<table>
<tr><th colspan="5">भाग अ- परिचय</th></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा</td><td>कक्षा : स्नातकोत्तर
प्रथम सेमे. तृतीय प्रश्न पत्र</td><td>वर्ष: प्रथम</td><td>सत्र: 2025-26</td></tr>
<tr><td colspan="5">विषय : हिंदी साहित्य</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="3">.....................</td></tr>
<tr><td>2</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="3">कथा साहित्य</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार</td><td colspan="3">केंद्रिक पाठ्यक्रम</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्वापेक्षा</td><td colspan="3">स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां
(कोर्स लर्निंग आउटकम)</td><td colspan="3">इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे
1.विद्यार्थी इस बात से परिचित हो पाएंगे कि मनुष्य के राग-विराग. तर्क-वितर्क, चिंतन-मनन जिस रागात्मकता तथा कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होते हैं, अन्यत्र नहीं।
2.आधुनिक काल में गद्य के विकास को समझ सकेंगे।
3.आधुनिक साहित्य से संबंधित प्रमुख गद्यकारों एवं नाटककारों का अध्ययन करके कथा और शिल्प को जानकर उसके सामाजिक प्रभाव समझ पाएंगे।
4. आधुनिक हिंदी गद्य और उसके इतिहास से परिचित होकर उसके अध्ययन व चिंतन प्रक्रिया के विकास को समझ सकेंगे।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="3">05</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुल अंक</td><td>अधिकतम अंक: 60+40</td><td colspan="2">न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40</td></tr>
<tr><td colspan="5">भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु</td></tr>
</table>

व्याख्यान की कुल संख्या– 90(व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास यात्रा भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी कहानी : उद्भव और विकास **गतिविधि –तालिका, रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	गोदान (उपन्यास) - प्रेमचंद (व्याख्या) प्रेमचंद और 'गोदान' पर समीक्षात्मक प्रश्न **गतिविधि – समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	अहिल्याबाई (उपन्यास) - वृंदावनलाल वर्मा (व्याख्या) वृंदावनलाल वर्मा एवं 'अहिल्याबाई' पर समीक्षात्मक प्रश्न **गतिविधि – शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	रात का रिपोर्टर (उपन्यास) - निर्मल वर्मा निर्मल वर्मा एवं 'रात का रिपोर्टर' पर समीक्षात्मक प्रश्न **गतिविधि – समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	**कहानी साहित्य – व्याख्या और समीक्षात्मक प्रश्न** एक टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे मधुआ - जयशंकर प्रसाद हिली बोन की बतखें अज्ञेय जन्मभूमि - देवेन्द्र सत्यार्थी ढाई बीघा जमीन मृदुला सिन्हा **गतिविधि – समीक्षा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): हिंदी कहानी, हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद , कहानी साहित्य

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
2. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन: नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
3. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन
4. कहानी: नयी कहानी: नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन
5. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति: देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन
6. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन
7. वृंदावन लाल वर्मा: उपन्यास और कला -शिवकुमार मिश्र, रविप्रकाशन
8. निर्मल वर्मा, सं. अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
9. निर्मल वर्मा: सृजन और चिंतन-सं. डॉ प्रेमसिंह, साहित्य सहकार, दिल्ली
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. चतुर्थ प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1. विद्यार्थी साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था के सुस्पष्ट व सर्वांगीण ज्ञान से अवगत हो पाएंगे। 2.भाषा और भाषा विज्ञान के अध्ययन से विषय को गहराई से समझ पाएंगे। 3.साहित्य और भाषा विज्ञान के अध्ययन से भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता जान सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भाषा की अवधारणा , स्वरूप एवं विशेषताएँ। भाषा विज्ञान: पारिभाषिक संदर्भ, अध्ययन पद्धतियाँ, प्रमुख शाखाएं एवं अन्य ज्ञान शाखाओं से अंतर्संबंध **गतिविधि – रेखांकन, तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं एवं उनका वर्गीकरण** भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी भाषा का उद्भव, विकास एवं हिंदी की बोलियाँ भाषा के विविध रूप (संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आदि) देवनागिरी लिपि : विकास और विशेषताएँ। **गतिविधि – प्रवाह तालिका**	15+3(व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	स्वनिम विज्ञान:परिभाषा, स्वनिम का संक्षिप्त इतिहास, वाक्यंत्र एवं उसके कार्य, स्वन भेद स्वन परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं **गतिविधि – समूह चर्चा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व, अर्थ तत्व, रूपिम व स्वनिम, रूपिमों का वर्गीकरण वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा, संरचना, प्रकार वाक्य परिवर्तन, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ **गतिविधि – प्रवाह तालिका**	**15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, अर्थ के प्रकार, अर्थ का महत्व शब्द-अर्थ संबंध विवेचन अर्थ परिवर्तन : कारण और दिशाएं। **गतिविधि –रेखांकन**	**15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)**

सार बिंदु (Keywords/Tags): भाषा, भाषा – विज्ञान, आधुनिक भारतीय आर्यभाषा

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका- मोतीलाल गुप्त:सं. रघुवीर प्रसाद भटनागर- राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. भाषाविज्ञान -भोलानाथ तिवारी- किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव, द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भाषाविज्ञान की भूमिका- आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सामान्य भाषाविज्ञान -बाबूराम सक्सेना-हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
6. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिंदी भाषा- दवारिका प्रसादसक्सेना- मीनाक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन
8. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
12. सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्ना नारंग, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ला
13. ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल, प्रेम बुक डिपो आगरा
14. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवींद्र नाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन
15. आधुनिक भाषा विज्ञान-डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/बेबलिंक

E library

Archieve Books

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

<table>
<tr><th colspan="3">भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां</th></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन :
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</td><td>क्लास टेस्ट
असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)</td><td>20
20= 40</td></tr>
<tr><td>आकलन:
विश्वविद्यालयीन परीक्षा
समय : 03:00 घंटा</td><td>अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न
अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न
अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</td><td>60</td></tr>
<tr><td colspan="3">कोई टिप्पणी / सुझाव</td></tr>
</table>

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर द्वितीय सेमे. प्रथम प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26

विषय : हिंदी साहित्य

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय साहित्यशास्त्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1.विद्यार्थी इस तथ्य को जान पाएंगे कि रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यलोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। 2.काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्यरूपों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे। 3.रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि एवं औचित्य संप्रदाय के संबंध में जान पाएंगे। 4. प्रतीकों और बिंबो का नवीन संदर्भों में प्रयोग एवं उनके अर्थ सामर्थ्य को विद्यार्थी भली-भांति समझ पाएंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं.90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	साहित्य विमर्श : काव्य और साहित्य भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय साहित्यशास्त्र की चिंतन परंपरा काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन काव्य - रूप एवं काव्य जीवन (काव्य की आत्मा) **गतिविधि –समूह चर्चा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	रस- चिंतन के विविध आयाम काव्य में रस का अर्थ, साहित्य में रस की व्याप्ति, रस-सामग्री, रस-निष्पत्ति (रस सूत्र की विविध व्याख्याएँ) रस- संख्या (परंपरागत एवं नवीन स्वीकृत दशाएँ) रस सिद्धांत और नई कविता, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा। **गतिविधि – शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

मंजु तिवारी

तृतीय	अलंकार सिद्धांत-- विवेचन- मूल स्थापनाएँ, परंपरा, वर्गीकरण एवं महत्व रीति सिद्धांत-- अवधारणा, स्थापनाएं, परंपरा, काव्यगुण, रीति एवं शैली ध्वनि सिद्धांत स्वरूप, स्थापनाएँ, भेद एवं महत्व **गतिविधि – प्रवाह तालिका**	15+3 **(व्याख्यान+गतिविधि)**
चतुर्थ	वक्रोक्ति सिद्धांत-अवधारणा, भेद, परंपरा एवं महत्व, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद औचित्य- सिद्धांत -- प्रमुख स्थापनाएँ, भेद, परंपरा एवं महत्व विभिन्न काव्य-सिद्धांतों का अंतर्संबंध **गतिविधि –रेखांकन**	15+3 **(व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी के प्रमुख कवि/आचार्यों का साहित्य-चिंतन केशवदास, पद्माकर, रामचंद्र शुक्ल, हरिऔध, महावीर प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह **गतिविधि –आलोचनात्मक विवेचन**	15+3 **(व्याख्यान+गतिविधि)**

सार बिंदु (Keywords/Tags): भारतीय साहित्यशास्त्र, रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत , ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य- सिद्धांत

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. रस मीमांसा: रामचंद्र शुक्ल, विश्वभारती पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन
3. गीतिकाव्य की भूमिका : नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
4. रस सिद्धांत : नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र : हरीश चंद्र वर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन : सत्यदेव चौधरी एवं शांति स्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
8. हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 20= 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम :एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर द्वितीय सेमे. द्वितीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26

विषय : हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	आधुनिक काव्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1.उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अध्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार समझ पाएंगे। 2.छायावाद के प्रवेश और प्रसाद, निराला की कविताओं में तत्कालीन समय के समाज को जान पाएंगे। 3.प्रतीकों और बिंबों के प्रवेश को हिंदी साहित्य के परिप्रेक्ष्य में समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियाँ: तुलनात्मक अध्ययन आधुनिक हिंदी काव्य की सामाजिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आधुनिक काव्य का वर्गीकरण और प्रमुख काव्य आंदोलन प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ **गतिविधि – शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	द्विवेदी युग के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास मैथिलीशरण गुप्त – भारत-भारती माखनलाल चतुर्वेदी – जवानी, सिपाही सोहनलाल द्विवेदी – बढ़े चलो, लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती **गतिविधि – कविता लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	छायावाद के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का अध्ययन जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिंता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

	सुमित्रानंदन पंत परिवर्तन, नौका विहार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - तुलसीदास, राम की शक्ति पूजा महादेवी वर्मा मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, जाग तुझको दूर जाना **गतिविधि –समूह चर्चा**	
चतुर्थ	छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ रामधारी सिंह दिनकर- रश्मिरथी (तृतीय सर्ग से भाग- 1, 2, एवं 3), परशुराम की प्रतीक्षा अज्ञेय असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की मुक्तिबोध -- अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस धर्मवीर भारती- मंजरी परिणय (कनुप्रिया) **गतिविधि – काव्य पाठ**	15+3 **(व्याख्यान+गतिविधि)**
पंचम	नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और उनकी रचनाएँ भवानी प्रसाद मिश्र बुनी हुई रस्सी , गीत फरोश कुंवर नारायण - अंतिम ऊँचाई, एक वृक्ष की हत्या नरेश मेहता - अरण्यानी से वापसी, माँ **गतिविधि –काव्य पाठ**	15+3 **(व्याख्यान+गतिविधि)**
सार बिंदु (Keywords/Tags):आधुनिक हिंदी काव्य, द्विवेदी युग, छायावाद, नई कविता		
भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री 1. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंतःसूत्र - कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन 2. त्रयी (प्रसाद, निराला और पंत)- जानकीवल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन 3. छायावाद - नामवर सिंह, सं० ज्ञानेंद्र कुमार संतोष, राजकमल प्रकाशन 4.जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार लीडर प्रेस, इलाहाबाद 5. कामायनी : एक पुनर्विचार मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन 6. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 7. कवि निराला - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन 8. निराला : कविः छवि - नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान 9. नयी कविता और अस्तित्वाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल 12. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा साहित्य अकादमी 13. आधुनिक कविता-यात्रा रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन 14. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन 15. आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन		

<table>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक
https://books.google.com
https://egyankosh.ac.in</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम</td></tr>
<tr><td colspan="3">भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां</td></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60</td></tr>
<tr><td>आंतरिक मूल्यांकन :
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):</td><td>क्लास टेस्ट
असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)</td><td>20
20= 40</td></tr>
<tr><td>आकलन:
विश्वविद्यालयीन परीक्षा
समय : 03:00 घंटा</td><td>अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न
अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न
अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</td><td>60</td></tr>
<tr><td colspan="3">कोई टिप्पणी / सुझाव</td></tr>
</table>

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर द्वितीय सेमे. तृतीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी कथेतर गद्य साहित्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	**इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे** 1.विद्यार्थी हिंदी के कथेतर गद्य की विधाओं के तत्व और स्वरूप को भली भांति समझ सकेंगे। 2.हिंदी की कथेतर गद्य की विधाओं यथा - आत्मकथा, जीवनी, निबंध, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, रेखाचित्र, रिपोर्ताज आदि की विकास यात्रा एवं उसमें अंतर्निहित जीवन मूल्यों को समझ सकेंगे। 3. कथेतर विधाओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का सतरंगी व भारत के अतिरिक्त विश्व के प्राकृतिक सौंदर्य, विश्व संस्कृति आदि का रूप जान सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	**हिंदी कथेतर गद्य की प्रमुख विधाएं; परिचय** भारतीय ज्ञान परंपरा और गद्य साहित्य के उद्भव की पृष्ठभूमि, गद्य विधाओं का वर्गीकरण एवं तात्विक स्वरूप का परिचय **गतिविधि – प्रवाह तालिका**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	**प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंध का अध्ययन** कवि और कविता-महावीर प्रसाद द्विवेदी आचरण की सभ्यता- सरदार पूर्ण सिंह श्रद्धा-भक्ति - आचार्य रामचंद्र शुक्ल कुटज- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सनातन नीम ('प्रिया नीलकंठी' निबंध संग्रह से)-कुबेर नाथ राय मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-विद्यानिवास मिश्र **गतिविधि – निबंध लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

तृतीय	प्रमुख आत्मकथाकार, जीवनी लेखक एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन आवारा मसीहा (आत्मकथा)-विष्णु प्रभाकर मिला तेज से तेज(जीवनी-सुभद्रा कुमारी चौहान)- सुधा चौहान **गतिविधि –शोध आलेख**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
चतुर्थ	**प्रमुख संस्मरण, रेखाचित्र एवं उनके रचनाकार** संस्मरण-माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी रेखाचित्र -स्मृति की रेखाएं – महादेवी वर्मा **गतिविधि –संस्मरण लेखन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	**हिंदी की अन्य गद्य विधाएं** (यात्रा साहित्य, रिपोर्ताज, पत्र साहित्य, साक्षात्कार, डायरी आदि) यात्रा साहित्य –एक बूंद सहसा उछली – अज्ञेय रिपोर्ताज- सिंगरौली, जहां कोई वापसी नही ('धुंध से उठती धुन' संग्रह से) निर्मल वर्मा पत्र साहित्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के पत्र साक्षात्कार- जैनेंद्र के साक्षात्कार डायरी अकेला मेला- रमेश चंद्र शाह **गतिविधि – समूह चर्चा, शैक्षणिक यात्रा**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): आत्मकथा, जीवनी, यात्रा साहित्य, रिपोंताज, पत्र साहित्य, साक्षात्कार, डायरी

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. भारतीय साहित्य- संपादक डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास- संपादक डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
3. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप-संपादक आलोक गुप्त , राजपाल एंड संस, दिल्ली
4. भारतीय साहित्य स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं- के सच्चिदानंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं- रामविलास शर्मा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष- रोहिताश्व, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
7. मराठी साहित्यः परिदृश्य चन्द्रकात बांदिवडेकर
8. कन्नड साहित्य का इतिहास- श्री सुशील, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
9. मलयालम साहित्य का इतिहास- के भास्करन नायर, प्रकाशन शाखा सूचना विभाग (यू०पी०)
10. भारतीय रंगकोश-सं. प्रतिभा अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. रंगयात्रा: राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली।
12. आज के रंग नाटक- इब्राहिम अल्काजी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. नाट्यशास्त्र विश्वकोश: राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारती बुक

14. गद्य की सत्ता- रामस्वरूप चतुर्वेदी, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
15. हिन्दी गद्य की प्रवृतियाँ-(सं) नलिन विलोचन शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. नया साहित्य नये प्रश्न-आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, विद्या मंदिर प्रकाशन, वाराणसी
17. महादेवी का गद्य- सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
18 हिन्दी का यात्रा साहित्य एक विहंगम दृष्टि- विश्वमोहन तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
19. विवेक के रंग- (स) देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
20. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
21. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
22. साहित्य में गद्य की नयी विविध विधाएँ- कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
23. हिन्दी साहित्य का बृहतः इतिहास (भाग 14) -(सं) हरवंश लाल शर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

https://books.google.com

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	**क्लास टेस्ट** **असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20** **20= 40**
आकलन: **विश्वविद्यालयीन परीक्षा** **समय : 03:00 घंटा**	**अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**60**

कोई टिप्पणी / सुझाव

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा	कक्षा : स्नातकोत्तर द्वितीय सेमे. चतुर्थ प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	....	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रयोजनमूलक हिंदी	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठयक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठयक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1.भाषा के प्रयोजनपरक आयाम को समझ पाएंगे। 2.हिंदी की उपयोगिता का कार्यालयीन भाषा के रूप में अध्ययन करके राष्ट्र भाषा तथा राज भाषा को समझ सकेंगे। 3.पारिभाषिक शब्दावली का उपयोग कर पाएंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– 90 (व्याख्यान+गतिविधि)

इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)
प्रथम	प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय एवं वैशिष्ट्य हिंदी के विभिन्न प्रयोजनपरक रूप – संपर्क भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा आदि। **गतिविधि – रेखांकन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
द्वितीय	कार्यालयीन हिंदी: राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन , पत्र- लेखन, टिप्पण पारिभाषिक शब्दावली: स्वरूप, वैशिष्टय, आवश्यकता , विभिन्न क्षेत्रों में पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरण एवं प्रयोग **गतिविधि –पल्लवन, टिप्पण आदि**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
तृतीय	हिंदी कंप्यूटिंग के विविध आयाम संगणक (कंप्यूटर) – सामान्य परिचय, रूपरेखा, उपयोग एवं बेब- पब्लिशिंग अंतरजाल (इंटरनेट) उपकरणों का परिचय, संपर्क संसाधन, समय-मितव्ययता एवं रख-रखाव, ब्राउजिंग पोर्टल, ई-मेल हिंदी के प्रमुख इंटरनेट प्वाइंट, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग सॉफ्टवेयर पैकेज **गतिविधि – संगणक प्रयोग**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

चतुर्थ	पत्रकारिता: अवधारणा, स्वरूप, वैशिष्ट्य एवं भेद भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास समाचार लेखन और संपादन के मूलभूत तत्व व्यावहारिक प्रूफ शोधन की समस्याएँ एवं समाधान **गतिविधि –प्रूफ शोधन**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	पत्रकारिता में शीर्षक संरचना, लीड, शीर्षक संपादन संपादकीय लेखन के विविध संदर्भ पृष्ठसज्जा,साक्षात्कार,पत्रकार वार्ता, प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून और आचार संहिता **गतिविधि –पत्र लेखन, संपादकीय लेखन अभ्यास**	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): प्रयोजन मूलक हिंदी , हिंदी कंप्यूटिंग, पत्रकारिता

भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
2. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्तिः जितेंद्र वत्स, दिल्ली निर्मल पब्लिकेशन
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. एस०ए० मंजुनाथ, नोशन प्रेस
6. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कड़ेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
7. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा. सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंक

Archive Books

https://egyankosh.ac.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

आंतरिक मूल्यांकन : **सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):**	**क्लास टेस्ट** **असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)**	**20** **20= 40**
आकलन: **विश्वविद्यालयीन परीक्षा** **समय : 03:00 घंटा**	**अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न** **अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न** **अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**	**60**

कोई टिप्पणी / सुझाव